- नांव : मोहम्मद सद्
- जलम : ११ सितम्बर, १६३७
- गांव : गोठ (जिला नागोर
- भणाई : एम. ए. (अंग्रेजी) बं
  भाषा, व्याकरण अर उच्चारण
  प्रशिक्षण प्राप्त (सिल्स ट्रेण्ड)

- संकलित कवितावां :–
  मौक्तिक, समय के सन्द
  रचेगा सगोत, इस बार,
  सकल्प स्वरो के,
  कलमरो कोरणी आदि

- पत्रिकावां में :–
  मधुमती, जागती जोत अर

- सम्प्रति : क. व्याख्याता
  राजकीय सादूल उच्च
  माध्यमिक विद्यालय
  बीकानेर-३३४००१
  (राजस्थान)

जूझती जूण

मोहम्मद सदीक

प्रकाशक
सलमा प्रकाशन
बीकानेर

JOOJHTI JOON

(A Collection of Poems in Rajasthani)

By

MOHAMMED SADIQ

Salma Prakashan
BIKANER
Price 13.00

(राजस्थान)

दो सबद

आपरै आपै रै खातर मिनखजूण रो जूझणो सूरज रै साथै - साथै ऊगतो आयो है अर ऊगतो रैसी ।

समता समानता अर सुतंतरता रो परखणियो पारखी मिनख जुगां - जुगां स्यूं जीवन रा नूंवा अर अनूठा अनुभव ले'र सूगली सगती रै सूगलै सरोत नै सदा चुनोती दी है वकारियो है अर नई दिसा ली है ।

मायड़ भाषा रो पाठक होणरै साथ-साथ दूजी भाषावां ऊं म्हारो आंतरो कोनी । अरबी, उर्दू, हिन्दी अर अंग्रेजी भाषावां भी आच्छो अंगचंग लागयोड़ो है ।

दस अर बत्तीस बियाळीस पतझड़ देखणैं रै बाद म्हारी कवितावां रो पैलो सकलन "जूमती जूण" मैं म्हारै आदर जोग अर लाडलै पाठकां रै हाथां में सूंपर्‌यो हूं ।

लारलै बीस पच्चीस बरसां में साथी कवियां अर शायरां रो सम्पर्क म्हारी प्रेरणा रो मूल सरोत र्‌यो है। वांरो घणो आदर है ।

मैं हूं सोई म्हारी कविता है म्हारो कविता है सोई मैं हूं ।

बीकानेर : अगस्त १९७९.

—मोहम्मद सदीक

विगत

ग्रांकस रै बीं बीज नै

मभ दोपारो में
किलकिलाते
तावड़िये स्यूं
ताते तवे सी तपती
सड़कां पर
सिकतो/सिसकतो
मुळसीजतो/बिलखतो
उघाडो सरीर
पगां-उभाणो
भागतो-भटकतो
मिनखाचारो
ठोड-ठोड टूट्योडो
मिनख-मगारो
थोप्योड़ी थोथी जूण रै
इण पार स्यूं उण पार
सड़क रै नीचलै पासै स्यूं
ऊपर नै आण री धार
नीची धूण
पोची जूण रो धणी
धराय आपरी

नाक स्यूं बंवतो लोई
सीचतो रैवै
आकम रै बी बीज नै
वी दिन तांई
जद होय घणो रिसाणो
रीस नै रसाय
मांय लै चूलै हाळी
आकरी आंच मैं जीवती राख
रुखाळमो आपरो आपो
देखतां-देखतां
मगळी सांकळां नै तोड
पूगसी सागी ठौड़
जठै— ना छोजै ना चिरीजै
ईंरी नाक
हास रै असत भटकां स्यूं
जटै— कामडी रो कारोबार

आंच ही आंच

गो' झूठ
पण एक सांच है
मिनख री देह में
आंच ही आंच है ।
इण आंच री संजोरी सांच
इण सांच नैं सजोलिया
खेत बीजता किसान
सड़क कूटता मजूर
जूती गांठता मोची
लो कूटता लुवार
अर गळी बुवारती मेतराणियां
पेलड़ै मिनख ऊं लेर
आज रै मिनख ताई रो
ओटीजयोड़ी आंच रो
मूंडै बोलतो इतिहास है ।
आंच, उकेरता जाओ
देखता जाओ
जठै-कठै
जद-कद
हवा रो फटकारो लाग्यो

इण आंच आपरी आवो दिखायो है
फ्रांस में
रूस में
चीन में
वियतनाम में
ईं-पांचरो ई धण
न-लक्डी है
न-कोयलो
न-तेल है
न-पेट्रोल
इण आंचनै चायजै
जीवती रेण खातर-
खावण नै-मिनख
आंचनै घणी संजोरी करणिया
भवती हवा रा भतूळिया
भभकतै-उपतै भावांरा
भंडार-अखूट
एक-एक चिणगारी नै ने' र
उडावै, उछाळै
कर देवै चौगुणी
बिखेर देवै
उतराद-दिखणाद
अगूण-आथूंण
ऊपर-नीचै
आसै-पासै
कोई नईं बेचै
ब्यावहां में

चेत मानखा चेत

दिन धोळै
भांवळा
रात नैं रातींदो
आंख्यां होतां सोतां पाण
पाड़ोसी री पराई आंख्यां स्यूं
देखणरी मजबूरी ।
जीवती माखी गिट्टण रा आदेस ।
मिनखरो ओ डरावणो रूप
सिर पर ऊगता सींग
लप-लपाती
दोलड़ी जीभ
बदयोड़ा नूं
बळ-बळती राती-राती आंख्यां ।
देखो, धायोड़ै धाड़वी रै
हाथां में
भूख मिटावण खातर
तिस बुझावण खातर
थारै खेत री है
या म्हारै खेत री

[illegible] रो ह
गा धी धेनड़ो रो
ईं ने ने ई कूचें हाडां में
मोत मरोड़ गो
पनोंगो है
रा मिनख रो माथो।
गुण-दोषां री टकसाल
गुदड़ो रो मार
गुदड़ो ठोला
सागणां मागतो पाण
प्राण त्याग
आपरो आपो बिसराय
पुरखोत्र गो
पाथोटं रै पाथोट पर
चोज बिसरता फिरगो
धरती नाथै
वग रै वधाव गातर।
गिरो अर पाणी
भूखं री भूख
तिसं री तिस
मिटावता हो आया है
खुरडो अर खाओ
घुरडो तोखं तोखं नूं वां ऊं
बटका भरो
लाम्बे मोटे दांतां ऊं
गिरी पींचता जाओ
आप-आपरी काया

सींचता जाओ सींचता जाओ
पोवो जीवो अर मटका करो
गुपरोहो या खोपरो
पाणी पिया पाछै
गिरी गटकायां पाछै
खावणियो फेंकसी
रुळती फिरसी रेत में
अण बायोड़ै खेत में
झाड़खां में थोंठकां में
सिपळिया खासी
रात रा रोझड़ा
खेतरा खेत उजड़ता देख र
वेलां री वेला
बांझड़ी होणरी डर
इण खातर मानखा चेत
चेत-आपरै खेत खातर
चेत- आपरी वेल खातर
चेत आपरै फळ खातर।

□

म्हारै वैवतै पसनै री
धाकभरी भभक स्यूं
भागजा सी
इतरो सो भेद है
थारै अर म्हारै मे
थारा टायर घसै तेल बळै
म्हारा पाका पग
मारग घसै
खुरदरी सड़क री रड़क काड नाखै
कर नाखै सरोसो
आ सड़क
थारै टायरां नै
सर्म स्यूं पैली फाड़ नाखै
पण-म्हारी नागी पगथळयां री
उमर बदै
कांटा नै-कांकरा नै मसळ
मारग री मरम माळ नाखै।
आव मैंड़ो आव
म्हारै स्यूं निजरां मिला
म्हारै चेरै कानी देख
पगां-उभाणों
म्हारो अधनागो सरीर
मत देख
कार स्यूं नीचो उतर
मखमली मोचड़ी खोल
पगां नै खुरदरी धरती स्यूं।
मेळ करण दे

डर मत काका स्यूं मत डर
आव-आपां
म्हारै गाडै गारै
सड़क पर ऊभा हो'र
एक फोटू खिंचावा,
म्हारी बरियान रो बारादरी
म्हारै कच्छै रो हवामहल
आपणो फोटू मे आसो
आपणो फोटू अमर होजासो।

□

धरती रा लाडेसर

मैं
हूं तो हूं
रोई रो रूंख
हां मैं हूं
तीखी सूळां हाळो वंवळियो
मैं खारो टास कीमडो
ओघड़ कुरूप खेजडो
इण धरती रो बीज
इण धरती रो जायो जलम्यो
पराई पडतां चढ़ा' र
मांड
वेरूपियो बण-बण
आपो विसरणो
म्हारै मानखै सारू
मिनखरो मरणो है
कुदरत रो प्रेम पावणियां नैं
वासंगा
तक्कणारी गरज कोनी
जरूरी कोनी सांग मरणो।

गायां भैस्यांरी गोर
तळावरी पाळ पर
नाचता मोरिया
"तिस्सी हूं-तिस्सी हूं"
टींटोड़ी री टेर
"करसा तूं-करसा तूं"
तीतर री भारणी
आसै-पासै
छिलरयां में
टर्राता डेडरिया
भातो ल्यावती भावजा
इसड़ो सरावण जोग जूण नै त्याग
कोठी बंगलां में ऊगणियै
रूंखांरो जीणो
सदाहीणो।
थांरै सागै होवती रूंगस
म्हांस्यूं छानी कोनी
माळी रा मेला हाथ
आं हाथां में कुज्जात कतरणी
कतरै
मुरड़ै
घांगै आं रूंखानै
ए-रूंख आपरो आपो गोय
बिलखता-डरता
कागा रो कुसराव देख
होय ग्या
धुमासणसां भेळा कुमाणस

ओनै पाणी देवणियां फव्वारामें
मोसमरी सागी मनवार कठै
कठै यैं बातां जिक्को
सांवणियैं री लोर में
हवारै हिंडोळै
होळै-होळै
मुळकतो-पळकतो
गरजतो-गाजतो
तिरतो-फिरतो
आभै में काळोकाळो
रस री भरी बादळ्यां में ।
मानसो मोय
मिनखपणों राखणें री
कुचेष्टा करणियां रै
घड़ सो हो गयो
पग-थापै री ठौड़ गाजो है
और हाथां री हथेळ्यां में
भर गयी री पगथळ्यां में
ऊगता दोनूं पगां अगना बाळ ।

□

यलो अमूओ

ी भीणी
मुल सरीसँ
ायम मिनखाचारै नै
: सरीसो भीढ भरे सैरां में
ब फोड़, अकडोडिया
राँ अर वंवळिया रै
भागे रैणो पडसी ।
किनखे हाळो चादर ज्यूँ
मानखो
भाडका ऊ फुरडीज'र गुरडीज'र
कितराक दिन चालसी
बाटकां रै ऊपर नाख्यो है

गूंग रो घूंट

ब्याहू मेर रे
रोळां ऊं
काठो
अकीज, छकीज'र
गूंगरो
भावती अणभावती
एक/आद घूंट
गळे तळे उतार लोनी।
गळे तळे उतर तां पाण
गूंगरो घूंट
आपरो आपो
दिखावणो सरू कर्यो
मन में
माथे में भंवता (कीवळी ज्यूं)
भावां रा मतूळिया
फेरू ऊठणा बन्द होग्या।
गूंग रो असर होतां पाण
मिनख री सांतरो पिछाण करण रा
घण करांक गुण
आपो आपही

[illegible]
[illegible]
पीवटा पाणी पाण
मानखै रा बिरवाळ
आगै आग उगळता आवै
बाळा रै पाणी पीवती धाणी
अजैं तक सूनड़ी [illegible]
भीत-भीत 'र
मरीजा घर जागै ।
काया में
ओपरा अणचायजा
थैगडा रोग
अबै नईं पीग रै ।
अहावै में अणचायजनो पाग
अबै नईं ऊगै ।
ऊंडी ओबरी रै
घणै डरावणै अंधारै स्यू
डरपीजतो मन
गू ग री उजास ले'र
सें चन्नणा होसी
बारलो भुलायाँ हो
मांयलो याद आवै
बारलै नै याद राख्यां
मांयलो हाथ स्यूं जासी
दोन्यां में
एक ही हाथ आमी । □

ऊंग मत/जाग

घात तो घात
घात री घांम नैं
ढकणी ढवकणियो आदमखोरा
काळरूप कुमाणस
घेरियां घालता-घालतां
घरां में घाल देवै घुरी
घात लगावै जीवतै जीवा नैं
भूखें हिंसक सो
देखतां देखतां
गुर्‌रावतो गूंजतो
आंख्यां रा मटरका करतो
निवंड़तो रैवै
गांवां रा गांव ।
पोवतो रैवै
लोगां रो लोई
पांगरतो आवै
वां रै ही घरां में ।
(नूं इण वास्तै)
नैं
रो लिखो

अमिट मोल मान'र
मोल्योड़
पांखलिया री
सागो ठोड़
ध्यान दे यो मिनखमार
गारारो पानो
जिकरा धरम-करम रा
जाग-मरण रा
पूराल मारीगर है
सुख-दुख रो
बंटवारो
अं करमी न्यारो-न्यारो
स्वारथ रा सागी बाप
आपरै पाळै रागसो
सुख-सुविधावां रा
अखूट भंडार
परायै पाळै में पाळमी
दुख-दाळद री बाळदां।
मासी मोन रा लाडेसर
भूख स्यूं बांधंड़ो कदतांई
अबै तूं पाळा बदल
ध्यावस त्याग
ऊंग मत/जाग।
□

धरती धकेल

मैं
डूँगर ऊँ डोगो
धरती धकेल
भोत बडो
आदमी बाजूं
म्हारै स्यूं मिलण री तरकीब
म्हारै ताईं पूगणै री तरीको
सीधो सो है ।
थाती थां वासतै
पेड़ी वणावै
वैज्ञानिक वणावै
थां वासतै भोंपू
भाषण रा पारखी
वणै थारा दुभाषिया
पेड्यां चढ़तां थकां
थारी पागड़ी नं
थामणिया लोग
थारै सागै होवै
थानै नीचो देख'र
ऊपर चढणो है

मन्नै ऊंचो सुग
मोटो दोसै
चश्मो इस्यो जिकै में
थे दोल सको
वो थानै थारै
हाथां में राखणो है
च्यारू मेर पेड़्यां लगा'र
छातो ताईं पूगणो है
कान रै सरोदे ताईं
ऊंचो आवणो है
पण– थे
कीडी सा सुरळाता
चीड़ी ज्यूं चूंचाता
भेड बकरियां ज्यूं
मिमियाता
कोमल बाणी में/कंवळै शब्दां स्यूं
बात करण री भूल मत करज्यो
घणासारा मिल
मोनळा रोळा मचावो
घणामिल'र मोटी
देह धारण करो
घणी गारी आवाजां नै मिला'र
मोटी आवाज करो
देश्यो सगा'र
आपरो वद बढ़ाओ

भोंपू लगा'र आपरी
आवाज नै सो गुणी करो
दुभापिया सागै राखो
फेरूं भी
मन्नै ईयां लागै-जाणै
मिलणो सोरो कठै
बड्डे री बड्डी चोपाळ पर
पाळतुवांरी कतार
थारी बोली री
आपरो या ओपरो
भाषा री
थारै कद री थारै काम री
थारै मानखै री
परख तो कर ही लेसी
अर कीं जोगा हो तो भी
थारो गुणी अणगुणो
करण रो
देवी अधिकार तो
जनम-जनम स्यूं
म्हारै कन्नै ठावो है
वियां,
मैं थारो हूं
थे म्हारा हो
मैं थानै थे मन्नै जाणो
थे ही स्याणा अर मैं ही स्याणो
होवै कीं काण मसर लो
खोलो बाको अर बखाणो ☐

गुवाड़ रो जायो

गुवाड़ रो जायो
कोनै बाप कै'र पुगारणो
आंख्यां गोलै मटो करै
बिना बिचा पागलो धावै
गुवाड़ ऊ घर
घर स्यूं सागी घर ताईं
पूगणै रा मारग पगडी रै वेवां दाईं
घणा घुमावदार है।
मारग में बिहद बांकड़ियां
जच्चै जठै लाधै
तुरता-फुरत
याद दिलावै
आपरी, आपरै बाप री
आपरै खानदान री।
पांवडै दो पांवडै रो पैंडो
कोसां लाम्बो कर नाखै।
सांच नै झूठ मैं
बदलतां कितरीक ताळ लागै
जलेबी भांत गळ्यां रै
गूंगै झालां मैं
कुणसो समझै
फिरै फिरै लाधै
सागी ठोड ८

होकड़ा उतार

सोरा सुखी वसणिया वीर
थारी सीळी-सीळी सांसां में
लागै जाणैं घोळ्योड़ो होवैं
केवड़ो अर गुलाब
बळती-बळती आं लूवां में
थारो मांयलो मोसम ठंडो टीप
चालती रेवैं ठंडी ठंडी होन
जाणैं पेट मे
कूलर फिट करायोड़ो होवैं ।
अठीनैं म्हारैं पासैं
पसीनै में न्हावती देह
इण देही स्यूं
भट्टी नैं लजावणा हाळी
लाल लाल लपटां
आसैं पासैं धूंवो धुंवागो ।
आ सांगां मे गरम-गरम
भाप तो है

चौफेर

चोफेर
च्यारूंमेर
अठीनै
बठीनै
जठै देखो बठै
टैंट
टैंट ही टैंट ।
लोगड़ा
टैंटों ज्योड़ा लागै ।
सुणी है
सरकार
कोई व्हानै
ओल्है छानै
आंरा
टैंटवा
दबाए लागरी है । □

सीख

आओ, आपा
बडा आदमी वणां
मैं थारा कपड़ा उतारूं
थे म्हारा कपडा उतारो
मैं, थारा कपड़ा उतार'र ।
ऊंचलै आसण विठाऊं
थे म्हारा कपडा उतार'र
मन्नै, नीचै उतार द्यो
डरोमत
आपणो देस
नागां रो देस है
एक लगोटी म्हात्मा
नागा मिनख देवता ।

टिल्लो

कुण जाणें
कद कुण
मिनखा जूण नैं
ऊंचली टेकरी स्यूं टिल्लो दियो ।
टिल्लो लागताईं
मानखो दडो दाईं
गुडतो-रडतो गुलेची गावतो
आवतो जावै
ऊपर ऊं नीचली ठौड
पण जिक्को पगां पांण
आपरी हिम्मत रै तांण
मारग रै भाटा ठिडां ऊं
भचभेडो खाय
अडै, लडै, अटकै
चाल पडै सामो गामनो करणनैं
ऊंचली ऊंचाई कानी
जाय बैठै टेकरी री छाती माथै
गीतां नैं गुंजाणनैं
अळगोझा बजाण नैं ।

□

लोकराज

लोकराज
तूं गाज्यो घणो
पण बरस्यो थोनो
जद-जद बरसो साव बरसो
ओळा बरस्या
रोळा बरस्या
अण गिणती रा बोळा बरस्या ।
लाम्बै-लाम्बै हाथां में
लाम्बे-लाम्बै बांसां पर
भांसा छरडा बांध'र
ऊंचै स्यूं ऊंचै किनखै नै
ऊपर को ऊपर ही
किणियां में उळझाणियां
ओछै मोछै
बावनिये बचकानिये रै
तो तणी ही हाथ को आण दीनो
बागां रा फूल फूलका बणग्या
काची कूंपळ, अध खिली कळी
कोई तरसै पात नै अर कोई तरसै फूल

□

मोसमी कूकड़ा

दोगड़ी जीभ
जेरीली सांस
माथे में ग्यान री गूमड़ो
पैरयां रै पोरां पर
ऊग्योड़ा भरूंटिया
आंख मे अणूत
काख मे कुबाण
इसड़ै गुणाऊं
घणीज जड़ीज
मिनख री मांदगी रो
इलाज करणियां
आपां रै साथै रस्सै वस्सै ।
कदै कदास आसै पासै
मोसमी कूकड़ा बण
दिन रो बोध करावण-खातर
कुरड़ी माथै खुरड़ा खोतरतां
मैलो कुचरतां
घणकरीक वार इणी भांत
जूण पूरी करतां करतां
टैम रो नेम भूल'र बांग दे-नाखै
सूंवीं सिंझ्या, आधी रात

कित्तीक दूर चालणो चावो
आंगळी रै सरोदै चालणियां
दिसा भटकसो ।
धोरां री धूळ नरम
पसरै, धिसकै
धिसकतो धिसकतो
माथै नै आजावै लो ।

□

पताळ री पर्तां लगा ले
ओ आकासां उडै
इणरै आगै सिकरा सरमावै
किरत्यां कीर्तन करण लाग जावै
सूरज स्यूं सोनो उगळावै
चान्द स्यूं चांदी बरसावै
ओ तावडै छियां रो पारखी
मै आंधो रो सैधो
तूफानां नै तो लणियो
मोटो खारो बोलणियो
आगै चालै पैल्यां बोलै
पांगळी दुनियां रा पग
आंधी दुनियां री आंख
गूंगी दुनियां री वाणी
ओ सुंदर भावां रो उपजाणियो
धरती नै सुरग बणाणियो
हिम्मत री सैण
सगळां रो सैण
पण……घणा करीक बार
पतझड़ में झड़ै पत्तो ज्यूं
साथ हवा रा थपेड़ा
कदे गळी कूंचळा में
तो कदे रोई रूंखड़ां में
रुळतो फिरै
दब धरती तळै
जूण पूरी करै
इणरो भाग तो खाराहारो हो जावै
इणरो कराळ
काळ में डोरा भरतो फिरै। □

भींट के ज्यूं आडो आवे
बीरै सारै रहुकीजतो इतिहास
पण-इतिहास रो प्यावस
भूगोलरी सींवां तोड
आगे आगो चावे
बीं नै कुण रोकै ।
आव-आव-म्हारै कानी आव
आपां गळै गळ बांखडी घाल'र
एका कार हो जावां
भांत दुभांत । जात-पांत
पथ-कुपथरो भेद बिसार'र
मिनख रो मान बढा वां ।
हां । हां । ये म्हारा हो
मैं थारो हूं
जाण पिछाण घणी जूनी घणी पुराणी
बो देव बो पंलड़ो मिनख
लाखां बरसां स्यूं
सूरज रै साथै ऊगतो आंथ तो
जोवन री घूमती चरखी पर
मंजै ज्यूं लपटीजतो ओहो मिनख
थारै/म्हारै/कीं लागतो होवेला ।
इणरो रगत आज ताईं
आपणी नाड्यां में रमतो फिरै ।
घिरणा अर भय रा भतूळिया
चक्कर इस्यो चलायो कै
थै म्हांस्यूं म्हे थास्यूं
अळगा अळगा दोनों

सैंकड़ा स्यूं घाई में
घाई स्यूं इकाई में
इणो मान्त
इकाई रे सिरे पर खड़या हो'र
देखण स्यूं
म्हारो थारो/थारो म्हारो
भेद आपें ही बिसरीज जासी ।
सगै री दूरी तोड़ां
नूंवों इतिहास रचां
भूगोल री सीवां बिसरावां
बिना नांव रां नांव
बिना सींव रा गांव
नेंडे चालां
आं नावां रें । आं गांवां रें
जठै सांचरो सिरो होसी ॥

□

जलमता रिया, जूझता रिया
म्हारै जलमणं में
जूझणै री नई अदा ले'र
जद-जद सामा आ'र सामनो कर्यो
थे हारता गया, म्हे जीतता गया
थारा बिड़द बांचणियां भाट
थानै अन्नदाता बणाणियां
अर अन्नदाता बताणियां भाट
भाजता दीसै अठीनै बठीनै
घणकराक आज म्हारलै
पाळै में रमता दीसै
थारी सगती रा साधन
तीर तुक्का तोप तलवारां
बरछी ढालां अर कटारां
आज आपणै सारलै अजायब घरां में
थारै गूनी पुरातन रो
सांगोपांग सनातन सबूत है।
थारो इतिहास
जर जोरू जमीन रो इतिहास
अर म्हारलो इतिहास
समूचो जूझती जूण रो मूंडै बोलतो दरपण
धन अर धरम रा होकड़ा चढा'र
कितराक दिन और जीणो चावो
आखर थानै मरणो पड़सी
सोगड़ा आपरै हक रै खातर राड़सी
ओ काळ रूप ओढो नगरो
थारै चिमटी भर धूळ ज्यूं

तिस री कूख

तिस री कूख तिवाळा जलमै
भूख री कूख भतूळिया
जिण धरती- अै धुन्य पांगरै
मिनख मानखै धूळिया ।

आस उजास री बाट तकै वै
भूखै पेट भखारो में
बिन बाती बिन तेल दीवला
मूंडो टेर अटारो में
इण मिस ओर उजास कारण सूं
आग [illegible] भरै, पळिया ।

म्हारा लाडला

पानै कुण ऊंखळ में ऊरै
घानै कुण तोड़ै कुण चूरै
यानै कुण जोवतड़ा बूरै
थानै मोतड़ली क्यूं घूरै
म्हारा लाडला ।

सिर पर सौ-सौ सिकरा घूमै
लोई चूसण जोखा लूमै
खा-खा माणसियां नै भूमै
मिनखाखारो डरपै सूमै

सूनै-सूनै पींजरै रा

सूनै - सूनै पींजरै रा
खाली-खाली खण है ।
भोळै भोळै चैरां माथै
दुखड़ां रा वण है ।
घूघरां में गूंज कोनी
कोरी भण - भण है ।
बांझड़ी नैं बेटा अर
होजड़ां रा गण है । सूनै-सूनै··· –

आसा री उडार म्हारी
आकासां में छा'री है ।
माड़ी मोत आदमी री
आदमी नैं मा'री है ।
लागै जाणैं फीफरां मे
सांस जम्मी जा'री है ।
भूया जी मल्लार म्हारै
आंगणां में गा'री है ।
रोझीना रामाण अठै
पग - पग रण है ।
घोमैं झिकै मूंडै माथै
मोटा - मोटा पण है । सूनै-सूनै······

झरूंटिया

आदमी रै आदमी झरूंटिया भरै ।
चूंट लेवै चामड़ी चरूंटिया भरै ॥
खींच लेवै खालडी भरूंटिया भरै ।
म्हारै म्हारा आदमी झरूंटिया भरै ॥

रूपां-रूडो मानखो तो सामनै मरै ।
काचो-काचो कूंपळां सूं ऊगतो डरै ॥
ककड़ै ज्यूं आदमी अकूरडी चरै ।
आसरो उजाम बट्ठै रूठिया करै ॥

लागो देख लाय जट्ठै लोगडा डरै ।
फूसकां रै ढेर मायं आग क्यूं धरै ॥
होयै मोला घाव किसो बात स्यूं भरै ।
ऊर्‌यां पाछै ऊंखळी में कूटिया करै ॥

ठूंठ डाळी ठोड किसो मोडगी झरै ।
बाकै रो वखाण किसो पीड नै हरै ॥
हाजमा-हजूर थारै आदमी जरै ।
पोड़ा नै पळोसै पाछै लूटिया करै ॥

काळजै में हूक उट्ठपी नैण तो झरै ।
मोर्दै रा सळाव देग पाळ रै परै ॥
पामणो रा आमा हाथ सून में भरै ।
होसै हाथां आरसी जे धूटिया करै ॥
... रै पतासै नाटै धूटिया करै । □

तामझामसा

तामझामसा - तामझामसा ।
नाचो-नाचो यंत्रां रा ताल दाम गा
गिरता-पड़ता-आगरता रो
दुनियां जिसो प्यारो है
पापीड़ा नैं बिगाड़ें री
पुरसारा री बड़ पारो है ।
ऊंचो हेलो रंगलियां रा ऊंचा दाम सा
तामझामसा

मिनखाचारो तोरो - तोरो
कुरणगो ईनैं सीम सो
सागी रांडा रोतो रंसो
पावणो तो जोम सो
ताळ्यां रा तमासा देखो बिना दाम सा
तामझामसा

माणसिया गटकावै
टाबर गळियां में गरळावैं है
परजा तंतर आछो मंतर
लांठोड़ा भरळावैं है
मिनखां नैं मरावणियां में थारो नाम सा
तामझामसा

बैठो बैठो बोलो यूं

एक कमेडी टूटो मेड़ो
बैठो आळं बचियां नेडो
बैठो बैठो बोलो यूं
मनरी चादर मैली क्यों ?
बासी बातां री फुलवारी
आक बबूळा क्यारी क्यारी
साम्हे पीडा थारी म्हारी

चुबसी कांटा । बोवै क्यूं
होसी पीडा । रोवै क्यूं

छान झूंपड़ों री रुखवाळी
काळ बैठ ग्यो डाळी डाळी
लाड लडाया मौत रुखाळी

आया जिक्का अम्मर कोनी
जाम्या जिक्का जावैला
आकासाँ में उडणियाँ तो
धरती माथै आवैला
आँसूडा ढळकावै देखो सुरूखो राम सा
तामझामसा ।

घर धोस्याँ रा बळसो
पण के ऊंदरिया सुख पावैला
औ लखणाँ रा लाडा बाबू
गट्टा गोळी खावैला
चमचा चमचो करसी आँरा चक्का जाम सा
तामझामसा ।

□

बैठो बैठो बोलो यूं

एक कमेड़ी टूटो मेड़ो
बैठो आळै वचियां मेडो
बैठो बैठो बोलो यूं
मनरी चादर मैली क्यों ?
बासो बातां री फुलवारी
आक बबूळा क्यारी क्यारी
साम्भो पीड़ा थारो म्हारो

चुवसीं कांटा । बोवै क्यूं
होसी पीडा । रोवै क्यूं

ग्रान भूंपड़ीं री रुखवाळी
ताळ बैठ ग्यो डाळी डाळी
लाड लडाया मौत रुखाळी

आ-वरण होणी होवै क्यूं ।
लोरी देतां रोवै क्यूं ।

मूनं पलरी मांस गुणी जं
लागी फांस री दरद गुणी जं
भळे उथड़का सदा बुणी जं

रात री रोटी पोवै क्यूं
अग जागै तूं सोवै क्यूं □

मचा चमचो सगळां खाई
वै दूजा लोग लुगाई
गफ़त आगी विना बुलाई
मैं कैवो फिर फिर आई ।
राम दुहाई । राम दुहाई ॥

मनखा जूण सरण में आवै
गीरो बेड़ो पार लगावै
करैं चूरमा खीर पकावै
घर बैठ्या वैं मौज मनावै
आक में आम घणा उपजावै
बिना बादळां मे बरसावै
झूठें भांसा पेट भरावै
मिटै भूख भूखो मिट जावै
घाया थारी छाछ राबड़ी
कुत्तो लार छुड़ा म्हारी माई ।
राम दुहाई । राम दुहाई ॥

□

या घमची सगळां खाई
दूजा लोग लुगाई
फुत आगी बिना बुलाई
२० कैवो फिर फिर आई ।
राम दुहाई । राम दुहाई ॥

मिनखा जूण सरण में आवै
बीरो बेड़ो पार लगावै
करै चूरमा खीर पकावै
घर बैठ्या बै मोज मनावै
आक में आम घणा उपजावै
बिना बादळी मे बरसावै
भूठै भांसा पेट भरावै
मिटै भूख भूखो मिट जावै
धाया धारी छाछ राबडी
कुत्तो मार छुडा म्हारी माई ।
राम दुहाई । राम दुहाई ॥

□

पैदल मात अनाड़ी हाथां
रेत रळैली घ्यान में ॥
फिरै टसकता भूखां मरता
माटी हाळा जीवरे
जोबन त्रिकतो फिरै बजारां
मिनख पणै री सीव रे
"लाजां" लाज मरै भिण धरती
माटी पड़सी मान में ॥

□

पुरखां री लाज बचावण नै
आंख्यां स्यूं ढळता आंसूडा
क्यूं मन में आग लगा जावै
वण घणी भीख री रोटी री
माणस क्यूं दाग लगा जावै
खावण में दाखां घणी भली
पण माणस दिन पर दिन माड़ो ।

पागल, नीच, दुष्ट अर पापी
क्यूं दिन धोळे कर लेवै धाडो
माणस री अन्तस उठ बोल्यो
इण काया रो भोजय भाड़ो ।

□

इण जीवन में सुख-दुख आंटा
एक में फुलडा दूजै कांटा
सुख सावण रा कदै ना छांटा
पग-पग कांटा, घर-घर फोटा
बेल तरसगी सरवर घाट ।
सुण म्हारा बेली सप्पम-पाट ॥
पीड़ा पळी सुखां रै लारै
सुख पळसी पीडा रै पाण
मन मत मार मरै लो जीवन
जाधेली अब थारो काण
कठै आजदी- कद बा लाधी
छोड पुराणी बाण कुबाण
बात ढूकगी हाणी-हाण
बी दिन री मैं जोऊं वाट ।
दिन उगसी बीतैली रात

□

सप्पमपाट

आरे म्हारा बेलो सप्पम-पाट
मैं तन्नें चाटूं तूं मन्नें चाट
वी दिन री मैं जोऊं वाट
दिन उगसी बीतैलो रात

सपनें सिरसो समय बितावां
ठाठ-बाट रा ढोंग रचावां
गुण आजादी रा छुळ-छुळ गावां
बिना तेल म्हे दियो जगावां
अंधियारै नें मार भगावां
म्हे म्हारै दिवलै री जोत जगावां
वी दिन री मैं जोऊं बाट
तेल ना बाती थारी हाट ।

आजादी रा आक चबावां
खारै नें मीठो कर खावां
छाज चालणी नां रळकावां
अण चुगियो अळियो ही खावां
काबा, कासो भाज'र जावां
कदरो ऊभो जोऊं वाट
कद फूटैली थारी माट
वी दिन री मैं जोऊं बाट ।

जुमती जूण/६८

आज़ादी

कुण थानैं मिनख बणावै लो ।
कुण थानैं लाड लडावै लो ॥

थे गिरता पड़ता आथड़ता
निट नैड़ै सी आ लाग्या हो ।
"खाल्यो पील्यो मौज करो"
नैं मेकर दे क्यूं नाच्या हो ॥

पशुवां रो आछो पशुपणो
कद पशुवां नैं खावै है ।
मिनख, मिनख री ओट
मिनख, नो मिनखपणूं क्यूं खावै है ॥

हो धीरज रा थे धणी धणा
पण थारै दुख नैं कुण हरै ।
अठो. सठो जूनो दुख क्यूं
कुण थानर थांरो नाम धरै ॥

सूरज रो नेह पड़ै फीको
बादर रो सोग मनावै लो ।
आस मोख मैं आंख फड़ै
तो हाथ - हाथ ने आवै लो ॥

;ख रा लागी दूरा

ळसँ ऊभी दूरा
चाओ म्हारा बीरा रे
ख री लागी दूरा
चाओ म्हारा बीरा रे
ुधरै कंयां जूरा
ताओ म्हारा बीरा रे ॥

रम करम री पोथ्या बांचत
बीत गया जुग चार
मैंनत नै मुळकाता देखी
डण रा रंग हजार
ये समै सारू भूरा धुमाओ
म्हारा बीरा रे
सापोडां रा सूरा मनावो
म्हारा बीरा रे ॥

झूंपडल्यां री रात बीतसी
पूरब होसी लाल
देस पसीनो दाळद दौड़ै
आज गई तो काल
थारै घर री बदळै रूण– कमाओ
म्हारा बीरा रे

दिन धोळै धाड़ मानवो री
धन - मान लूटणं में लागी ।
सै-फाळ चूकग्या दोसै है
म्हे देखर्या भागा भागी ॥

मत धोळ पूलिया वणो घणा
धोळे पर दाग घणो आवै ।
कद मंल कटै मन मैलां री
सावण में भाग घणो आवै ॥

कुरबानो रो वलिदानां री
कुण मोल चुकाणो चावै है ।
आयो है घिरतो बायर यो
थामो, तो थमसी' जावै है ॥

वाळक सो भोळै टावर सो
आजाद देस री आजादी
आ सोरी सी कोनी ल्हाधी ॥

□

घमलै रा फूल

ओ-घमलै रा फूल' फूल' तूं
मत कर इतरी भूल
आज नै आज सिवर जं-रे
अधोरा धीरज धर जे-रे ॥

मे आंधी रा धाय थपेड़ा
लूवा लाय तपी देही
भंवर' भनूळा फिरै भटकता
मान हाण ना तज देई
तूं शीन री सोदो कर जं-रे
तूं लिपळो स्यूं मत डर जं-रे ॥

धार चो फैरी धणा रूंखड़ा
गुण'कुण मार करै चोरी
पासो पोस पळो लदियोड़ा
जगतो घात करै चोरी
तूं पळ दै वात विसर जे-रे
तूं काळी रात विसर जं-रे ॥

पल दो पल री कुण जेबड़ो
--- गिणती रा मोटा है
। फूल रै धागे पासै

घमलै रा फूल

ओ-घमलै रा फूल' फूल' तूं
मत कर इतरी भूल
आज नै आज सिंवर जै-रे
अघोरा धीरज धर जै-रे ॥

मे आंधी रा खाय थपेड़ा
लूवां लाय तपी देही
भंवर' भतूळा फिरै भटकता
मान हाण ना लज देई
तूं शीश रो सोदो कर जै-रे
तूं लिपळी स्यूं मत डर जै-रे ॥

चार घो फेरी घणा रूंखड़ा
गुण'कुण मार करै थांरो
पासो पोस फळां लदियोड़ा
जगती बात करै थांरो
तूं फळ दै बात विसर जै-रे
तूं काळी रात विसर जै-रे ॥

पल दो पल री जूण जेवड़ो
धण गिणती रा आंटा है
फूल फूल रै आसै पासै

सांवरयेरी सारंगी

सांवरयेरी सारंगी
तूं सत् रंगी तूं बदरंगी
कठै तो बाजै पांव पैंजणी
कठै तूं लाघै अध नंगी ॥
सुर साध्यां सुध सधै साध्वी
सुख रो सावण सरसै लो
मिनख मानखै मोती निपजै
रिमझिम मेहूलो बरसै लो
रूस्यां राज मिलैला कोनी
मिनख जूण रो है तंगी-सांवरयेरी सारंगी
पा-पा-पगल्यां घर कूंचां
मुळकाय बैठगी महलां में
लै चूक अचूक अलाप लियां
मल्हारी गातो ताना में
कठै बिलखतै आंगणियै
धध बणी छबीली छाना में
कठै तो रोटी राग रोवतो
राग टूट गो ताना में ।
कठै तूं ओढ़ै साल दुसाला
कठै ना-लाधै इक-अंगी-सांवरयेरी सारंगी ॥ ६

रब राखै सो रैसो राम

रब राखैं सो रैसो राम
बिटो बिटो जद धूंप गोनसी
मन मांनी सो कैसो राम
रब राखैं सो रैसो राम ।।

सूगैं सरवर एक डाळ पर
सरवर सूगैं सूनो पाळ पर
बिलखै बनिया ध्यान काळ पर
सैंवण हारो सैसो राम ।।

पापी पन रै पाप कार सूं
सदियां सोग मनावैलो रे
जूण अकारथ जावैलो ?
म्हारै गीत री गीता गूंजै
मैं केस्यूं सैं सुण सी राम ।।

मानव मन इतिहास परख
आ-वात हाथ स्यूं जवैलो
रे चिड़ो बाग में सावैलो
म्हारै गीत-गूंज रै साथै
मैं केस्यूं सैं सुणसी राम ।।
बाट बिसर ग्यो एक बटो ही

आपरै खेत री डांडो खोई
पुरसो पाळो खा ग्यो कोई
मैं केस्यूं कुण सैं'सो राम ॥

मन मैं गैरी एक ठौर पर
एक मोरियो नाचै डोर पर
आखर मन्ड ग्या ठौर ठौर पर
बो-देसो-नूं लेसी राम ॥

□

जोख्यूं लख अनेक

जीव-जीव री एक
जीव में जोखूं लख अनेक
जीव तन्नै जीणो पड़सी रे
काया थारी लीर - लीर
तन्नै सीणो पड़सी रे ॥

ऊंडो आंच तपी काया नै
मूंगी हाट विकाणी है
इसरी विसरी इण बगती रो
कुणसो ठौड़ ठिकाणो है
कुण आंकै लो मोल तोल
थारो होणो पड़सी रे ॥

तूम्बा-बेल फळी धरती पर
खार घोळ दी खेतां में
घोर धरपदी पग डांडो पर
भरम धुळे लो हेतां में
और हवा मे जैर घोळ
तन्नै पीणो पड़सी रे ॥

हीणो हाण जलम दुखियारो
घास वणें अर लोग चरें
जीणो जिणरें हाथ नईं बस
जलम एक सौ वार मरें
शंकर अर सुकरात बण्यां
विष पीणो पड़सी रे
जीव तन्नें जीणो पड़सी रे ॥

□

नूवां अरथ

आंख देख अणजाण
ताकडो इतरो राखै काण
जोभ री उतरो-उतरो पाण
मिनख रै पेट पळै कुबाण
हिवडै पनपै हेत मिनख मन जोयो कोनी रे
मनरो गरब गुमान मानखा धोयो कोनी रे
भान तन्नै होयो कोनी रे ।।

बोलै बोल अजाण
ज्ञान रा टूकडा जोड मतो
जूनी जाण पिछाण
दरद रो धीरज तोड मतो
भाग, भरम, भगवान
पुराणी थांरी बाण कुबाण
बिगड्यो बिरमा जी रो घाण
भान तन्नै होयो कोनी रे
मिनखपणै रो बीज धरा पर बोयो कोनी रे ।।

बोदी जूण जुगां भुगत्योड़ी
बासी बोल बिसरणा है
ना धरती रो बीज बांझड़ो
नूंवां अरथ

हाट हियै री खोल अंगतो
विपदावां मत तोल
दरद नैं दे संजोरा बोल
मिनख-मन घोयो कोनी रे
हिवड़ै पनपै हेत मिनख-मन जोयो कोनी रे

आं रूंखां पर पांख पखेरू
कुरळावै ना मुरळावै
भीतर मार भरोसां दीनी
चिरळावै ना गरळावै
मिनख मारव दे हाण
लोथ में कुणसो फूंकै प्राण
जगत नै भोग्यां आवै ताण

ग्यान तन्नै होयो कोनो रे
हिवडै पनपै हेत मिनख-मन जोयो कोनी रे ॥

□

जीमो बेटा रात अंधारी

धामें रे ध्या में भी दुरगारो
दोन्यूं हाथां में पंपारो
दुरगत हारो माऊ थारो
जीमो बेटा रात अंधारी ।।

रात अंधारी काळी - काळी
थे हो मालिक थे ही माळी
जोंगो डाळा तोड़ो डाळी
सूनो दीसै बाग रो माळी

घर सूनो कुण करै रुखाळी
घुगल्यो फुलडा तोडो डाळी
सगळा साळा सगळी साळी
कुणसो देवै थांनै गाली

दे दे सीख सदा मैं हारो
जीमो बेटा रात अंधारी ।।

लारै हाळो वात विसारो
सूंतो माया सगळो थारो
कुण जाणै कद आवै वारो
झाड़ो, पूंछो फेर बुवारो
हम्मै जोमो थारो वारो
याळो पुरस दी न्यारी-न्यारी

दे दे सीस सदा मैं हारो
जोमो वेटा रात अंधारो ॥

□

मन-मछलो

तिरयां मिरयां भरी तळाई
लैरां पूगी दूरम दूर
कण-कण जळ में होवण लागो
मद मातो जोबन भर पूर ॥

मन मछली रो मोल
सरोवर में कुण लेवै तोल
हरख री हद बिसरावै-रे
पनाळो पल में जावै-रे
मन गरणा वै तन सरणा वै
सास-समोरो गावै लूर ॥

कुबळै कबळै काळजियै में
हवळो हबळो हूक उठै
सांवळियै रै लोर सरीसो
कोयल वैणी कूक उठै
मन गरणावै तन सरणावै
सास-समोरो गावै लूर ॥

कोरै कोरै काजळियेरी
रेख गरोधा दो चित राम

कामणी

पग में पैंजणियां-छणकाती
भीणै घूंघटियै-मुळकाती
पळका बीजळ सा-बरसाती
गजबण हिवड़ै में-ढूर खाती
आवै-कामणी-कामणी- ॥

सुरमो नैणां में रमातो
चुड़लो चांदी सो चमकातो
लाता पळकै सामी छातो
हिवड़ै दूणी जोत जगाती
आवै-कामणी-कामणी- ॥

मोती नथ रो रो मतळातो
सूवो वैठ्यो कांवळै पातां
झूमर भीणा झबका मारै
मुळकै दाड़म बीज पसारै
आवै-कामणी-कामणी ॥

नैणा डमरतियो बरसातो
गालां सोरभियो बिखरातो
माथै चन्दो सो चमकातो
वेणी सरपण सो मळकातो
आवै-कामणी-कामणी

गायें घूंदड़ली गतरंगी
मोटी आमनियां वस अंगी
लागे जगती सा बदरंगी
चुन्दड़ मायें रंग बिरंगी
आवें कामणी - कामणी ॥

लालां – गालां गीत पसारें
किणने छोड़ें किणनें मारें
नथलो बिंदलो बात बिचारें
जुलमी जोबन किणनें धारें
आवें कामणी - कामणी ॥

धीमा - धीमा पगल्या धरती
नैणा - वैणा सेना करती
कूं कूं पगल्यां सूं बिखराती
करती चालें घरती राती
आवें कामणी - कामणी ॥

सोळी - सोळी पुरवा चालें
मत ना छेड़ो पल-पल पालें
रूस्या साथीडा मनालें
घूमर घालें चंग बजालें ॥
आवें कामणी - कामणी ॥

अठै गोरां घूमर घालें, ईसर आगे लारें चालें ।
आनें कुण वरजे कुण पालें तिरछे नैणा नृतो घालें
आवें कामणी - कामणी ॥

□

हूक रो कूक

नैण रो नीर ढळ्यो ढळती में
पसर गयो पलकां पासै
कुण वींनै बूझै मनडै मांली
नैण रूठियां जग हांसै ॥

झिलमिल-झिलमिल पळकै पलकां
ढुळकै मोती रो सिणगार
आस पहोमी भीजण लाग्या
हूक री कूक चढी गिगनार
कुण थारो गागर ठेस लगाई
कुण प[illegible] [illegible]नो पुचकार

रूड़ो रूप उतर नैणा में
नेह-री नींव लगा दीनी
मीठी सांस सुवास बसी यीं
हिवड़ं हाट सजा दीनी
कुण म्हारै हिवड़ं री हाट उजाड़ी
कुण यीं में लाय लगा दीनी
इणविद नीर ढळ्यो ढळती में
पसर गयो पलकां पासै
कुण श्री नै बूझै मनडं मांली
नैण रूठियां जग हांसै ॥

□

कसूम्बा

उडजा' कसूम्बा काळा काग
संवारूं थारी पाँखड़ली
मैं तो जोऊं रे जुलमीड़ा थारी वाट
बैरागण वासो जोय रई ॥

झुरझुर रोवै नार साँवळी
पिवजी नै दीजै बताय
बिना धणी रै धण है सूनो
सेजाँ नाईं सुवाय
आवै नईं म्हानै नींदड़ली रे ॥

दौड़ कसूम्बा सुणा सदेसो
पिवजी रै आवण रो
कद आवैला कद ल्यावैला
म्हारो पायलडो
आवै नई म्हानै नींदडली रे ॥

तीज सुहाणी आई रे साजना
रुत आई फळ होय
बिना सार चम्पै री डाळी
किणविद ताजी होय
देवै रे ताना सावड़ली रे ॥

सौरठा

आळस पर असवार
काळे कोसां पूगणो
कायर हाथ कटार
पाणी लाजे सादिया ॥

मोया मिलै हजार
माथा मिलसी भाळियां
बिकसी हाट बजार
कोडी सट्टै सादिया ॥

मूंढ़ै ऊपर मूंछ
मरदानी बाना करै
लारै ओछी पूंछ
अलग अधूरी सादिया ॥

सतजुग रो है सैंण
जीवन जळ रो पीवणो
लूंठै घर रो सैण
घणा अरोग सादिया ॥

मोटा पड़सी लोग
औसद पर में होवता
जीवन जळ रो भोग !
रोग ! रैवै नईं सादिया ॥

कूवै घममो भूण
मोसम लेसो माजनो
सांभर में सो लूण
पाणी चाख्यां ठा पड़ै ॥

कोमत करमो कूण
अवगुण सामा आवियां
गुण होणो सो जूण
दोवळ मायं ठूंठ री ॥

अणचायजतो जोव
क्यूं जलमें क्यूं पांगरै
दुख दाळद नै पोव
पोचो पड़सो जोवड़ा ॥

ज्ञानो गुणसो गोत
माजन मुणसो सोरठा
हिवड़ै पनपै प्रोत
घेरो पड़मो मरसिया ॥

घाचेड़ो रो राज
नाक बचाणो आपरो
कठै जावां भाज
उल्लू ताकै ऊंदरा ॥

तन रो पूर पातळो पड़ि
कठै लागसो कारी
मोठै मूंडै साग गुट
मन में तेज कटारी रे

अरे सूरडो सेर जलम
मकडो ल्यासी भे
बाळू नैं भी पींच - पींच म
तेल काढ़सी तेलो

□

नूं थोर

भरोसो भाज्यां
मिनख री जूण लाजे ।
देखतां भाळतां मानखो ईयां खुळसो
ईयां मिनख रे हाथां मिनखपणो
कदताईं रुळसी
कदताईं बिसवासां में बिष घुळसो
बता तो सरो
आ सांच है या सपने में सपनो ।
धाई धोत्यां भूखी सूथणां
अर नागो नेकरा रे हाथा
भरोसो भाटाऊं तुलसो ।
काळो-पीळो कोडयां रा नाळ रा नाळ
उकळतै तेल में तळीजतो देस
समूचो पीढो री आख्यां रा डोरा
होग्या है राता लाल ।
तातै तवै पर सिकती
तोखे ताकळे पोयोडी
मोठे गुलगुले सो जूण
ठोड ठोड पसरयोड़ी कोडी नगर सी
पळगोडां रै पगां तळै रोळीना
किचरीजतो देस
म्हारै नूंवां री नूंथोर
पाछी पोगरै ।